

Series Z1YXW/4



SET ~ 3

रोल नं.



प्रश्न-पत्र कोड 3/4/3

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें। #

## हिन्दी (अ) HINDI (A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

नोट :

- (I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 15 हैं।
- (II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- (III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 17 प्रश्न हैं।
- (IV) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

**सामान्य निर्देश :**

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

1. इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 17 है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'। खंड 'अ' में बहुविकल्पी/वस्तुपरक और खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
3. खंड 'अ' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
4. खंड 'ब' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
5. प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।
6. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

3/4/3

|| — — — ||

1

[P.T.O.]



खंड 'अ' (बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी एक पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

5×1=5

पद्यांश - एक

सुनता हूँ, मैंने भी देखा,  
काले बादल में रहती चाँदी की रेखा।  
काले बादल जाति द्वेष के,  
काले बादल विश्व क्लेश के,  
काले बादल उठते पथ पर  
नव स्वतंत्रता के प्रवेश के!

सुनता आया हूँ, है देखा,  
काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा!  
आज दिशा है घोर अँधेरी  
नभ में गरज रही रणभेरी,  
चमक रही चपला क्षण-क्षण पर  
झनक रही झिल्ली झन-झन कर,  
नाच-नाच आँगन में गाते केकी-केका  
काले बादल में लहरी चाँदी की रेखा!  
काले बादल, काले बादल,  
मन भय से हो उठता चंचल।  
कौन हृदय में कहता पल-पल  
मृत्यु आ रही साजे दल बल!  
आग लग रही, घात चल रहे, विधि का लेखा!  
काले बादल में छिपती चाँदी की रेखा!  
मुझे मृत्यु की भीति नहीं है,  
पर अनीति से प्रीति नहीं है,  
यह मनुजोचित रीति नहीं है,  
जन में प्रीति प्रतीति नहीं है!

देश जातियों का कब होगा,  
नव मानवता में रे एका,  
काले बादल में कल की  
सोने की रेखा!





(i) 'काले बादल' और 'चाँदी की रेखा' किनका प्रतीक हैं? इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए नीचे दिए प्रतीकों को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए।

- (a) विपत्तियाँ
- (b) कालिमा
- (c) आशा की किरण
- (d) बिजली

**विकल्प -**

I. (a, b)      II. (c, d)      III. (a, c)      IV. (b, d)

(ii) स्वतंत्रता प्राप्ति के मार्ग में किस प्रकार के बादल छाए हुए हैं? नीचे दिए गए कारकों को पढ़कर इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कर लिखिए।

- (a) जाति द्वेष के
- (b) घनघोर घटाओं के
- (c) परस्पर वैमनस्य के
- (d) वैश्विक अशांति के

**विकल्प -**

I. (a, b)      II. (b, c)      III. (c, d)      IV. (a, d)

(iii) कैसे वातावरण में आशा की किरण छिप जाती है? नीचे दिए कारकों को पढ़कर इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कर लिखिए।

- (a) जब तेज़ वर्षा हो
- (b) जब मन निराशा से भयभीत हो
- (c) जब षड्यंत्र रचे जा रहे हों
- (d) जब बादल न छाए हों

**विकल्प -**

I. (a, b)      II. (b, c)      III. (c, d)      IV. (a, d)

(iv) मोर-मोरनी द्वारा आँगन में नृत्य प्रस्तुत करने से क्या अभिप्राय है?

- (a) उन दोनों का प्रसन्न होकर नृत्य करना।
- (b) निराशा के बादल छँटने लगे, खुशियों ने दस्तक दे दी है।
- (c) दोनों नृत्य कर बादलों को बरसने के लिए मज़बूर कर रहे हैं।
- (d) मोर सुहावने मौसम का आनंद ले रहे हैं।

(v) 'चाँदी की रेखा' को 'सोने की रेखा' में कब बदला जा सकता है?

- (a) देश-जातियों की एकता होने पर
- (b) काले बादलों के दूर होने पर
- (c) बादलों में सूर्य के छिपने पर
- (d) मृत्यु से भयभीत न होने पर

**अथवा**





पद्यांश – दो

5×1=5

भले ही अँधेरा घिरे हर दिशा से,  
मगर हम नया भोर लाकर रहेंगे।

घृणा-स्वार्थ के इस कठिन संक्रमण में,  
सुनो हम नया दौर लाकर रहेंगे।

प्रगति और विज्ञान का नाम लेकर,  
मनुज को मनुज आज ठगने लगे हैं।  
नई आर्थिक दौड़ की रोशनी में,  
हमें मूल्य सब झूठ लगने लगे हैं।

मगर बात इतनी सुनो विश्व वालो,  
इसी रोशनी में कभी हम बहेंगे।

सही या ग़लत रह गया क्या कहीं कुछ,  
ज़रा भी उचित और अनुचित नहीं कुछ।  
सुनो इस क़दर स्वार्थ टकरा रहे हैं,  
पतन की नहीं और सीमा रही कुछ।

मगर हम उठेंगे प्रलय मेघ बनकर,  
कठिन दुर्ग पाखंड के सब ढहेंगे।

बताना हमें सत्य सारे जगत को,  
जगाना हमें सुप्त इंसानियत को।  
करेगा ज़माना सदा गर्व हम पर,  
हमें खोजना एकता के अमृत को।

भले ही किसी राह जाए ज़माना,  
मगर हम सही राह थामे रहेंगे।

- (i) कवि को विश्वास है कि
- वह अंधकार को उजाले में बदलेगा।
  - वह पुराने को नए में बदलेगा।
  - वह रात को शाम में बदलेगा।
  - वह दुःख को सुख में बदलेगा।
- (ii) जीवन-मूल्यों के कमज़ोर पड़ने का कारण है
- अंधी दौड़।
  - वैज्ञानिक दौड़।
  - विदेश की दौड़।
  - आर्थिक दौड़।





- (iii) भारत की किस विशेषता पर पूरा विश्व गर्व करेगा?
- अहिंसक प्रवृत्ति
  - वैज्ञानिक प्रगति
  - ऐतिहासिक ज्ञान
  - एकता की भावना
- (iv) 'किसी का अंधानुकरण न करके अपने लिए सही मार्ग का चयन करेंगे' - यह भाव कविता की किन पंक्तियों में आया है?
- भले ही अँधेरा घिरे हर दिशा से,  
मगर हम नया भोर लाकर रहेंगे
  - घृणा-स्वार्थ के इस कठिन संक्रमण में,  
सुनो हम नया दौर लाकर रहेंगे
  - भले ही किसी राह जाए ज़माना,  
मगर हम सही राह थामे रहेंगे
  - मगर बात इतनी सुनो विश्व वालो,  
इसी रोशनी में कभी हम बहेंगे
- (v) 'कठिन दुर्ग पाखंड के सब ढहेंगे' - काव्य पंक्ति का आशय है :
- समाज से भेदभाव का नाश होगा
  - लोगों में स्वार्थ भावना का अंत होगा
  - समाज से आडंबरों का नाश होगा
  - अंधविश्वास रूपी किलों का पतन होगा

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

5×1=5

वैज्ञानिकों का मानना है कि दुनियाभर में बढ़ते पर्यावरण संकट को कम करने में जैविक खेती एक उपचारक भूमिका निभा सकती है। गौरतलब है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में प्राकृतिक खेती बड़े पैमाने पर अपनाई जा रही है। धीरे-धीरे दक्षिण, मध्य भारत और उत्तर भारत में भी यह किसानों में लोकप्रिय हो रही है। अब किसानों ने जैविक खेती को एक सशक्त विकल्प के रूप में अपना लिया है। गौरतलब है कि जैविक या प्राकृतिक खेती की तरफ भारतीय किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। धीरे-धीरे जैविक खेती का प्रचलन बढ़ रहा है। जैविक बीज, जैविक खाद, पानी, किसानों के यंत्रों आदि की आसानी से उपलब्धता जैविक खेती की लोकप्रियता को और अधिक बढ़ा सकती है।

प्राकृतिक खेती को लेकर अनुसंधान भी बहुत हो रहे हैं। किसान नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। इससे कृषि वैज्ञानिक भी प्राकृतिक खेती को लेकर अधिक उत्साहित हैं। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि जैविक या प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने से पर्यावरण, खाद्यान्न, भूमि, इंसान की सेहत, पानी की शुद्धता को और बेहतर बनाने में मदद मिलती है। रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल से होने वाली बीमारियों और समस्याओं की जानकारी न होने की





वजह से किसान इनका प्रयोग काफी ज्यादा करने लगे हैं। वहीं दूसरी तरफ सिक्किम में प्राकृतिक खेती से पर्यावरण को जितनी मदद मिली है उससे साफ़ हो गया है कि प्राकृतिक खेती को अपनाकर कई समस्याओं का समाधान हो सकता है।

- (i) आज जैविक खेती की माँग क्यों बढ़ती जा रही है?
- (a) सस्ती होने के कारण  
(b) अधिक उत्पादन के कारण  
(c) स्वच्छ पर्यावरण के कारण  
(d) सरकारी मदद मिलने के कारण
- (ii) सही कथन का चयन कीजिए -
- (a) उत्तर भारत में जैविक खेती के लिए प्रेरणा की जरूरत है।  
(b) पूर्वोत्तर राज्यों में जैविक खेती के प्रति अधिक उत्साह है।  
(c) लोगों में प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी का अभाव है।  
(d) प्राकृतिक खेती के लिए विश्वविद्यालय से शिक्षित होना जरूरी है।
- (iii) जैविक खेती को किसानों की पहली पसंद बनाने के लिए क्या करना चाहिए ?
- (a) रासायनिक खेती निषिद्ध की जानी चाहिए।  
(b) बाज़ार में केवल जैविक उत्पादों की बिक्री होनी चाहिए।  
(c) युवकों को जैविक खेती के लिए प्रेरित करना चाहिए।  
(d) जैविक बीज़, खाद, किसानों के यंत्र आदि सुविधाएँ उपलब्ध करवानी चाहिए।
- (iv) वर्तमान समय में खेती के लिए, अनुसंधानों में बढ़ोतरी किसके बारे में हुई है?
- (a) जैविक खेती  
(b) रासायनिक खाद  
(c) नई-नई दवाइयाँ  
(d) नए बीज
- (v) किसान कीटनाशकों और रासायनिक खादों का अधिक प्रयोग क्यों करने लगे हैं?
- (a) सहज उपलब्धता के कारण  
(b) दुष्प्रभावों की जानकारी न होने के कारण  
(c) अधिक प्रचार-प्रसार के कारण  
(d) सस्ती होने के कारण

3. निर्देशानुसार अलंकार पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

4×1=4

- (i) 'जा तन की झाँई परै श्याम हरित दुति होय।' - इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है-
- (a) उत्प्रेक्षा  
(b) अतिशयोक्ति  
(c) मानवीकरण  
(d) श्लेष





- (ii) निम्नलिखित में अलंकार है -  
'मेघ आए बन-ठन के सँवर के।'  
(a) उत्प्रेक्षा  
(b) मानवीकरण  
(c) अतिशयोक्ति  
(d) श्लेष
- (iii) "प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै।" इस काव्य-पंक्ति में अलंकार है-  
(a) उत्प्रेक्षा  
(b) अतिशयोक्ति  
(c) श्लेष  
(d) मानवीकरण
- (iv) निम्नलिखित में अलंकार है -  
'मनहुँ रंक निधि लूटन लागी।'  
(a) उत्प्रेक्षा  
(b) अतिशयोक्ति  
(c) मानवीकरण  
(d) श्लेष
- (v) "वह शर इधर गांडीव गुण से भिन्न जैसे ही हुआ,  
धड़ से जयद्रथ का उधर सिर छिन्न वैसे ही हुआ।" - काव्य-पंक्ति में अलंकार है -  
(a) मानवीकरण  
(b) अतिशयोक्ति  
(c) उत्प्रेक्षा  
(d) श्लेष

4. निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्दों में से किन्हीं चार पदों के पद परिचय वाला सही विकल्प चुनकर लिखिए -

4×1=4

'उन्हें गवारा न था कि शहर का कोई सफ़ेदपोश उन्हें मँझले दर्जे में सफ़र करता देखे।'

- (i) कोई  
(a) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्त्ताकारक  
(b) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्त्ताकारक  
(c) सार्वनामिक विशेषण, 'सफ़ेदपोश' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग  
(d) सार्वनामिक विशेषण, 'सफ़ेदपोश' विशेष्य, स्त्रीलिंग, बहुवचन





- (ii) सफ़ेदपोश
- गुणवाचक विशेषण, 'उन्हें' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग
  - जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक
  - जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्मकारक
  - व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक
- (iii) उन्हें
- उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक
  - मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक
  - अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन (आदरार्थ), पुल्लिंग, कर्मकारक
  - अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक
- (iv) मँझले
- गुणवाचक विशेषण, 'दर्जे' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग
  - संख्यावाचक विशेषण, 'दर्जे' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग
  - परिमाणवाचक विशेषण, 'दर्जे' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग
  - सार्वनामिक विशेषण, 'दर्जे' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग
- (v) करता देखे
- अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, वर्तमान काल
  - अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, भूतकाल
  - सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, वर्तमान काल
  - सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, भूतकाल

5. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए -

4×1=4

- (i) 'हम कनखियों से उन्हें देख रहे थे।' यह वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?
- कर्मवाच्य
  - कर्तृवाच्य
  - भाववाच्य
  - मुख्यवाच्य
- (ii) 'लेखिका द्वारा यहाँ बहुत ही खूबसूरती से साधारण लड़की के असाधारण बनने के प्रारंभिक पड़ावों को प्रकट किया गया है।' यह वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?
- कर्तृवाच्य
  - भाववाच्य
  - कर्मवाच्य
  - मुख्यवाच्य







(iii) 'अब खेला जाए।' वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?

- (a) कर्तृवाच्य
- (b) कर्मवाच्य
- (c) भाववाच्य
- (d) मुख्यवाच्य

(iv) 'सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उन्होंने खीरे खरीदे होंगे।'

इस वाक्य का कर्मवाच्य में परिवर्तित रूप होगा-

- (a) सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उनके द्वारा खीरे खरीदे गए होंगे।
- (b) उन्होंने खीरे सफ़र का वक्त काटने के लिए ही खरीदे होंगे।
- (c) सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उनसे खीरे खरीदे जा रहे थे।
- (d) सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उनके द्वारा खीरे खरीदे जाएँगे।

(v) निम्नलिखित वाक्यों में कौन-सा वाक्य भाववाच्य का उदाहरण है?

- (a) गोपियों ने योग-साधना को कड़वी ककड़ी बताया।
- (b) परशुराम ने सभा में क्रोध किया।
- (c) लक्ष्मण द्वारा परशुराम पर व्यंग्य-बाण छोड़े गए।
- (d) चोट के कारण उनसे चला नहीं जाता।

6. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए -

4×1=4

(i) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य का कौन-सा उदाहरण है?

- (a) रसोई को वे भटियार खाना कहते थे।
- (b) घर में आए दिन विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के जमावड़े होते थे और जमकर बहसें होती थीं।
- (c) यह पितृगाथा मैं इसलिए नहीं गा रही कि मुझे उनका गौरव गान करना है।
- (d) मैं संकोच से सिमट जाती हूँ और गड़ने-गड़ने को हो आती हूँ।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य का कौन-सा उदाहरण है?

- (a) एक-दो को छोड़कर कोई भी मेरे परिवार का नहीं है।
- (b) दोनों बड़े भाई आगे पढ़ने बाहर चले गए तब मुझे अपने वजूद का एहसास हुआ।
- (c) पिता का आग्रह रहता कि मैं रसोई से दूर रहूँ।
- (d) घर में आए दिन विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के जमावड़े होते थे और जमकर बहसें होती थीं।





- (iii) निम्नलिखित वाक्य का सरल वाक्य कौन-सा होगा?  
'शीला अग्रवाल की जो जोशीली बातें थीं उन्होंने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था।'
- (a) जो शीला अग्रवाल थीं उनकी जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था।  
(b) शीला अग्रवाल जोशीली बातें करती थीं और वे बातें रगों में बहते खून को लावे में बदल देती थीं।  
(c) शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था।  
(d) शीला अग्रवाल जोशीली बातें करती थीं अतः वे बातें रगों में बहते खून को लावे में बदल देती थीं।
- (iv) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए -  
'वे प्रधानाचार्या को बड़े गर्व से कहकर आए कि यह तो पूरे देश की पुकार है।'
- (a) संज्ञा आश्रित उपवाक्य  
(b) विशेषण आश्रित उपवाक्य  
(c) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य  
(d) प्रधान उपवाक्य
- (v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए-  
'मन्नू भंडारी का जन्म मध्यप्रदेश में हुआ था किंतु उनकी इंटर तक की शिक्षा-दीक्षा राजस्थान में हुई।'
- (a) संज्ञा आश्रित उपवाक्य  
(b) विशेषण आश्रित उपवाक्य  
(c) प्रथम समानाधिकरण उपवाक्य  
(d) द्वितीय समानाधिकरण उपवाक्य

7. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए -

2×1=2

- (i) गोपियाँ उद्धव को भाग्यवान मानती हैं क्योंकि -
- (a) गोपियाँ श्रीकृष्ण के प्रेम में लिप्त हैं, फिर भी विरह वेदना झेल रही हैं।  
(b) उद्धव श्रीकृष्ण के प्रेम-बंधन से मुक्त और अलिप्त होने के कारण विरह वेदना से भी मुक्त हैं।  
(c) उद्धव को मथुरा में श्रीकृष्ण का सान्निध्य हर समय प्राप्त है।  
(d) उद्धव ने बड़ी-बड़ी पोथियाँ पढ़कर ज्ञान अर्जित किया है।





- (ii) परशुराम के क्रोधित होने का कारण था -
- सीता स्वयंवर में राम-लक्ष्मण का पहुँचना
  - लक्ष्मण द्वारा उनके गुरु शिव का धनुष तोड़ना
  - राम-लक्ष्मण द्वारा उनके प्रश्नों का जवाब न देना
  - राम द्वारा शिव-धनुष का भंग करना

8. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुवैकल्पिक प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कर लिखिए -

5×1=5

या अपने ही सरगम को लाँघकर  
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में  
तब संगतकार ही स्थायी को सँभाले रहता है  
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान  
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन  
जब वह नौसिखिया था  
तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला  
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ  
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ  
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता  
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

- (i) मुख्य गायक अपने ही सरगम को किस कारण लाँघ जाता है?
- गाने की रौ में भटकने के कारण
  - संगतकार द्वारा साथ देने के कारण
  - संगतकार द्वारा साथ न देने के कारण
  - संगतकार नौसिखिया था
- (ii) मुख्य गायक कहाँ भटक जाता है?
- समुद्र के भँवरजाल में
  - बचपन की स्मृतियों में
  - तबले की ताल में
  - शोर-गूँज के भँवरजाल में
- (iii) मुख्य गायक के भटकने पर संगतकार उसकी सहायता कैसे करता है?
- उसका सामान उठाकर
  - उसका हाथ पकड़कर
  - स्थायी को सँभालकर
  - बचपन की याद दिलाकर





- (iv) “जब वह नौसिखिया था” – इस वाक्य में ‘वह’ किसके लिए आया है?
- (a) संगतकार  
(b) मुख्य गायक  
(c) संयोजक  
(d) बाँसुरी वादक
- (v) ‘तारसप्तक’ में जब बैठने लगता है उसका गला। यहाँ ‘तारसप्तक’ से क्या अभिप्राय है?
- (a) धीमा स्वर  
(b) शुद्ध स्वर  
(c) दुगुना धीमा स्वर  
(d) दुगुना ऊँचा स्वर

9. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए –

2×1=2

- (i) किस घटना के आधार पर कहा जा सकता है कि बालगोबिन भगत प्रचलित सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे?
- (a) जवान बेटे की मृत्यु पर पद गा रहे थे  
(b) हर वर्ष गंगा स्नान के लिए जाते  
(c) अपनी खेती-बाड़ी स्वयं करते  
(d) बेटे का क्रिया-कर्म बहू से करवाया
- (ii) शहनाई और डुमराँव एक-दूसरे के लिए उपयोगी क्यों हैं?
- (a) डुमराँव में उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ का जन्म हुआ  
(b) इनके परदादा उस्ताद सलार हुसैन खाँ डुमराँव निवासी थे  
(c) रीड की नरकट डुमराँव में सोन नदी-किनारे पाई जाती है  
(d) बिहार के संगीत प्रेमी परिवार डुमराँव में रहते थे

10. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पिक प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए –

5×1=5

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देश-भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।

दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुजरे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेमवाला गोल चश्मा है।





- (i) जीप के आगे बढ़ने पर भी हालदार साहब का मूर्ति के बारे में सोचते रहने का कारण था-
- (a) देशप्रेम की भावना  
(b) कस्बे में लगी मूर्ति का सौंदर्य  
(c) मूर्ति पर संगमरमर का चश्मा न होना  
(d) मूर्ति का रख-रखाव न होना
- (ii) हालदार साहब ने नागरिकों के प्रयास को बताया -
- (a) उदारवादी  
(b) अकल्पनीय  
(c) प्रशंसनीय  
(d) बचकाना
- (iii) “दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे” इस वाक्य में ‘उधर’ शब्द किसके लिए संकेत है?
- (a) कस्बे के लिए  
(b) चौराहे के लिए  
(c) नगरपालिका के लिए  
(d) उत्साही लेखक के लिए
- (iv) उन्होंने मूर्ति में क्या अंतर देखा?
- (a) मूर्ति ने कपड़े पहने हैं  
(b) मूर्ति ने शाल ओढ़ी है  
(c) मूर्ति पर चश्मा बदल गया है  
(d) मूर्ति को पेंट कर दिया है
- (v) हालदार साहब जीप से कहाँ जाते थे?
- (a) कस्बे में लगी मूर्ति देखने  
(b) अपनी फैक्टरी का काम देखने  
(c) अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने  
(d) कंपनी के काम से कस्बे से आगे

**खंड ‘ब’ (वर्णनात्मक प्रश्न)**

11. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए -

**2×4=8**

- क. ‘माता का अँचल’ पाठ में बच्चों की दिनचर्या आजकल के बच्चों की दिनचर्या से भिन्न है, कैसे ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
- ख. ‘साना-साना हाथ जोड़ि’ पाठ के संदर्भ में लिखिए कि प्राकृतिक जल संचय की व्यवस्था को कैसे सुधारा जा सकता है? इस दिशा में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर टिप्पणी कीजिए।
- ग. ‘मैं क्यों लिखता हूँ’ पाठ के संदर्भ में लिखिए कि आपके विचार से विज्ञान का दुरुपयोग कैसे हो रहा है और उससे कैसे बचा जा सकता है?





12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए -

3×2=6

- क. 'आत्मकथ्य' से उद्धृत निम्नलिखित काव्य-पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए -  
"उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की।"
- ख. 'अट नहीं रही है' कविता में कवि ने फागुन मास के सौंदर्य को किस प्रकार चित्रित किया है?
- ग. "धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात .....  
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात"  
'तुम्हारी ये दंतुरित मुस्कान' से ली गई उपर्युक्त पंक्तियों में प्रयुक्त बिंब को स्पष्ट कीजिए।
- घ. "मिट्टी के गुण-धर्म को सुरक्षित कैसे रखा जा सकता है?" 'फसल' कविता के आधार पर लिखिए।

13. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए -

3×2=6

- क. भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार 'संस्कृति' से क्या अभिप्राय है?
- ख. 'नवाब साहब ने खीरे बाहर फेंक दिए।' आपकी दृष्टि में उनका यह व्यवहार कहाँ तक उचित है?
- ग. हम कैसे कह सकते हैं कि मन्नू भण्डारी के पिता बेहद कोमल और संवेदनशील व्यक्ति थे?
- घ. भारत रत्न बिस्मिल्ला खाँ पर 'सादा जीवन उच्च विचार' वाली कहावत चरितार्थ होती है, कैसे ?

14. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए -

6

- क. आज़ादी का अमृत महोत्सव
- शुरुआत कब और कहाँ
  - विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम
  - नए संकल्प
  - भारत की पहचान
- ख. ऑनलाइन खरीददारी : समय की माँग
- ऑनलाइन खरीददारी से अभिप्राय
  - बदलते समय की आवश्यकता
  - खरीददारी करते समय संयम की आवश्यकता
  - खरीददारी के समय सावधानियाँ





- ग. मधुर वचन हैं औषधि
- शांति देने वाले
  - उदाहरण (प्रकृति और आस-पास से)
  - भाईचारा और प्रेम
  - व्यक्तित्व में निखार

- 15. (क)** आप पुष्कर / परमजीत कौर हैं। आप शारीरिक शिक्षा-विज्ञान में स्नातक (ग्रेजुएशन) परीक्षा पास कर चुके हैं। साथ ही आपने अ.ब.स. अकादमी से क्रिकेट में एकवर्षीय प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है। आपको केंद्रीय विद्यालय में आवेदन करना है। इसके लिए क्रिकेट कोच के रिक्त पद के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना स्ववृत्त तैयार कीजिए। **5**
- अथवा**
- (ख)** आप दीपक / दीपिका हैं। आपके बड़े भाई / बहिन का विवाह जून माह की 10 तारीख को होना निश्चित हुआ है। विदेश में रहने वाले अपने मित्र के लिए लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल निमंत्रण-पत्र तैयार कीजिए। **5**
- 16. (क)** आप तनुज/तनुजा हैं। विद्यालय के पुस्तकालय में छात्रों को समसामयिक विषयों पर पुस्तकों का अभाव खटकता है। प्रधानाचार्य जी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर इस विषय से संबंधित पुस्तकें माँगवाने के लिए निवेदन कीजिए। **5**
- अथवा**
- (ख)** आप विभू / विभूति हैं। अपने मित्र तेजस्विन शंकर को राष्ट्रमंडल खेल में ऊँची कूद के लिए पदक जीतने पर लगभग 100 शब्दों में बधाई-पत्र लिखिए। **5**
- 17. (क)** आपके मित्र को स्टेशनरी की दुकान खोलनी है। उसके प्रचार के लिए लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**
- अथवा**
- (ख)** आई.आई.टी. में प्रवेश पाने पर चचेरी बहिन को लगभग 60 शब्दों में बधाई संदेश भेजिए। **4**



